जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

ख्वाजा एक्सप्रेस संवाददाता

भोपाल । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया । वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने भारत ज्ञान परंपरा की भूमि÷ विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि–भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। उन्होंने

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि– हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं–जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन–का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि– ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि ÷यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें हम यहाँ क्यों आए हैं? और हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है? कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी द्वारा किया गया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरुआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए । कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डहेरिया, सह खेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

भोपाल, लोकदेश रिपोर्ट

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने ₹भारतः ज्ञान परंपरा की भूमि₹ विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि–भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।₹ उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि– हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो।₹ उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं–जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन–का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि– ₹ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।

आत्मबोध व सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि ₹यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है।₹उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें₹हम यहाँ क्यों आए हैं ?₹ और ₹हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है ? कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने किया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ: प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरूआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए । कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डहेरिया, सह खेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

भोपाल, 05 अप्रैल 2025
www.dainikjagranmpcg.com

संक्षिप्त समाचार

एमसीयू में व्याख्यान व प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा का भी शुभारंभ किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान - पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

भोपाल। आज तक 24

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र +विकल्प+ एवं +पहल+ का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने भारत-ज्ञान परंपरा की भूमि+ विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि–भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।+ उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि– +हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो।+ उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं–जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन–का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि– +ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू -कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी.

- गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि +यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है।+ उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें+हम यहाँ क्यों आए हैं?+ और +हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है? कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने किया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ - प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरुआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए । कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डहेरिया, सहखेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

वर्ष-22 ■ अंक-244
पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00
भोपाल
■ रविवार ■ 6 अप्रैल 2025
चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी
विक्रम संवत्-2082
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

एमसीयू में व्याख्यान और प्रतिभा 2025 का हुआ शुभारंभ

समय जगत, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया । वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने भारत-ज्ञान परंपरा की भूमि विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो।÷ उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं–जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन–का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है। गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि ÷यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें हम यहाँ क्यों आए हैं? और हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है?

कार्यक्रम का संचालन विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया।

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

आम सभा, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र %विकल्प% एवं %पहल% का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने %भारत- ज्ञान परंपरा की भूमि% विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि-%भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।% उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि- हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं-जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन-का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि-%ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी : गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे।

सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक

आम सभा, भोपाल। प्रदेश में व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से कुपोषण को कम करने के लिए पोषण अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष पोषण अभियान के तहत पोषण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से पोषण पखवाड़ा मनाया जाता है। इस पर सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक मनाया जाएगा। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा %जीवन के प्रथम 1000 दिवस% पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाने व्यापक प्रचार-प्रसार, समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन मॉड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंध तथा बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपने पर बाल जैसे थीम पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। पोषण पखवाड़ा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र सेक्टर, परियोजना एवं जिला स्तर की गतिविधियों में स्थानीय पोषण संसाधनों की को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, सामुदायिक जागरूकता और पोषण संवेदनशील कार्यक्रम जैसे आयोजन किए जाएंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों में दैनिक गतिविधियों की तिथिवार थीम आधारित कैलेंडर तैयार किया गया है। सभी जिलों में पखवाड़ा के दौरान साइकिल रैली, पोषण रैली, प्रभात फेरी, गर्भवती महिलाओं और धात्री माता एवं किशोरी बालिकाओं के साथ पोषण ट्रैकर में हितग्राही मॉडल पर समूह चर्चा, कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच, एनीमिया जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

ज्ञान वह, जो आत्मा को झकझोर कर तय करे जीवन की नई दिशा

एमसीयू में कार्यक्रम के दौरान विवि के समाचार पत्र का विमोचन करते अतिथि। ● सौजन्य

- एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का किया गया शुभारंभ
- पद्मश्री डा. कपिल तिवारी ने कार्यक्रम में दिया व्याख्यान

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं,आत्मबोध है। आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है, जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। यह बात पद्मश्री डा. कपिल तिवारी ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में शुक्रवार को पं. माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर आयोजित व्याख्यान में कही। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश में 90 फीसद लोग संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते।

शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डा. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं-जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है।

उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग का नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सभी के लिए होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि यह विवि केवल डिग्रियां देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। इस अवसर पर विवि की सांस्कृतिक व खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया। वहीं विवि की वेबसाइट को रीलांच किया। इस दौरान विवि से निकलने वाले दो समाचार पत्र 'विकल्प' और 'पहल' का भी विमोचन किया गया। संचालन विवेक सावरीकर एवं डा. अरुण कुमार खोबरे ने किया। वहीं, आभार कुलसचिव डा. अविनाश वाजपेयी ने माना।

खेल प्रतियोगिताओं का 'प्रतिभा' में शुभारंभ

प्रतिभा 2025 में खेलकूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरुआत हुई। इसमें कुलगुरु ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डा. सतेंद्र डहेरिया, सह खेल समन्वयक डा. मनोज पटेल एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

भारतीय सहारा हिन्दी दैनिक
मध्य प्रदेश

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

■ एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

■ भारतीय सहारा

भोपाल(रावेंद्र मिश्रा) । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया । वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र "विकल्प" एवं "पहल" का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने "भारतः ज्ञान परंपरा की भूमि" विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि—"भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।" उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि—"हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो।" उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं—जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन—का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि— "ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।"

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी.

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि "यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है।"उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें"हम यहाँ क्यों आए हैं?" और "हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है?" कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने किया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभः प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरूआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए । कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डहेरिया, सह खेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर एमसीयू में पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का व्याख्यान शुक्रवार को

वार्षिक उत्सव प्रतिभा का भी होगा भव्य शुभारंभ

नित्य नमन टाइम्स | भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय माखनपुरम परिसर बिशनखेड़ी में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर व्याख्यान एवं वार्षिक उत्सव प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत, भारतीय ज्ञान परम्परा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ चिंतक और विचारक डॉ. कपिल तिवारी होंगे। जयंती प्रसंग पर भारत- ज्ञान परम्परा की भूमि विषय पर श्री तिवारी अपने विचार व्यक्त करेंगे। गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में होने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी करेंगे। इस पुनीत अवसर पर विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का भी भव्य शुभारंभ होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर एमसीयू में व्याख्यान

भोपाल. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। व्याख्यान में 'भारतः ज्ञान परंपरा की भूमि' विषय पर डॉ. कपिल ने अपने विचारों से छात्रों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। वक्ता डॉ. कपिल तिवारी ने कहा कि ज्ञान एक अनूठी घटना है जो सूर्य की किरणों जैसी है सब पर प्रकाश करती है। ज्ञान सार्वजनिक है इस पर कोई कब्जा नहीं कर सकता।

That which shakes the soul is real knowledge: Padma Shri Dr. Kapil Tiwari

Bhopal: A special lecture by Padma Shri Dr. Kapil Tiwari was held on the birth anniversary of Dada Makhanlal Chaturvedi ji at Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication on Friday. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Vijay Manohar Tiwari. On this occasion, the annual event of cultural and sports activities of the university, Pratibha 2025, was also inaugurated. At the same time, the website of the university was relaunched. On this occasion, two newspapers published from the university, "Vikalp" and "Pahal", were also released by the Chief Guest and Vice Chancellor. Chief Guest and speaker Dr. Kapil Tiwari, an expert on Indian knowledge tradition and folk culture, decorated with Padma Shri, opened new doors of introspection and intellectual consciousness for students and teachers with his views on the topic "India: The Land of Knowledge Tradition". Dr. Kapil Tiwari said in his address that - "India's knowledge tradition is born out of centuries of penance. In this country, acquiring knowledge does not mean only information, it means self-realization." He said that today knowledge is understood as mere information, whereas real knowledge is that which shakes the soul and determines the direction of life. Expressing concern over the education system, he said that - "90 percent of the people in our country are not able to recognize their potential. In educational institutions, this question is not even asked that who are you and what have you come to do on this earth." He said that the real objective of education should be to give direction to man according to his nature and talent. Dr. Tiwari, while referring to the ideological traditions of India - such as Advaita, Buddhist philosophy, folk traditions and tribal life - said that all this is a proof of the ideological diversity and depth of India. He explained the tradition of thinkers like Buddha, Nagarjuna etc. and said that - "Knowledge is not the inheritance of any one caste or class, it is for everyone like the light of the sun.

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

अमन संवाद/भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने भारत ज्ञान परंपरा की भूमि विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि-भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है,जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि- हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं-जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन-का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों

की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि- ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है। आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू - कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें हम यहाँ क्यों आए हैं? और हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है? कार्यक्रम का संचालन विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने किया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरुआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डहेरिया, सह खेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

व्याख्यान

एमसीयू में प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ, वेबसाइट हुई रीलांच

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : डॉ. तिवारी

पब्लिक वाणी, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री

से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने 'भारतः ज्ञान परंपरा की भूमि' विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।' उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 'हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो।' उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं–जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन–का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि 'ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।'

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि 'यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है।' उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें 'हम यहां क्यों आए हैं? और हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है?' कार्यक्रम का संचालन विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया।

व्याख्यान

एमसीयू में प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

जो आत्मा को झकझोर दे, वही है सच्चा ज्ञान: डॉ. तिवारी

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में दादा माखनलाल चतुर्वेदी जयंती के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 के उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी, जो भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के गहरे मर्मज्ञ माने जाते हैं। गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित इस भव्य आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का पुनः शुभारंभ (री-लॉन्च) किया गया, साथ ही एमसीयू से प्रकाशित होने वाले दो समाचार पत्र– विकल्प एवं 'पहल' का विमोचन भी किया गया।

भारत की ज्ञान परंपरा पर डॉ. कपिल तिवारी का प्रेरक व्याख्यान

'भारत- ज्ञान परंपरा की भूमि विषय पर बोलते हुए पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी ने कहा कि ज्ञान केवल सूचना नहीं, आत्मा का जागरण है। जो विचार या अनुभव मन को झकझोर दे, वही वास्तविक ज्ञान है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा प्रणाली की सीमाओं पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि हमारे देश में 90 प्रतिशत युवा अपनी क्षमताओं और जीवन के उद्देश्य को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा का मूल उद्देश्य होना चाहिए– मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुरूप मार्गदर्शन देना। डॉ. तिवारी ने भारतीय वैचारिक परंपराओं जैसे अद्वैत वेदांत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन का संदर्भ देते हुए कहा कि ज्ञान किसी जाति या वर्ग की बपौती नहीं, यह सूर्य की रोशनी की तरह सभी के लिए है। एमसीयू आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। कुलपति विजय मनोहर तिवारी विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने अपने उद्घाटन भा[ह] कि एमसीयू केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्था नहीं, बल्कि यह एक आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर विद्यार्थी को यह सोचना चाहिए कि वह यहाँ क्यों आया है और जीवन का असल उद्देश्य क्या है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वे प्रत्येक माह छात्रों से सीधे संवाद करेंगे और कक्षाओं में स्वयं भी उपस्थित रहेंगे।

प्रतिभा 2025 का शुभारंभ और खेल प्रतियोगिताएं

एमसीयू की वार्षिक सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी इसी अवसर पर किया गया। क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा की उपस्थिति में हुई। खिलाड़ियों को कुलपति विजय मनोहर तिवारी ने शुभकामनाएं दीं। खेल समन्वयक डॉ. सतेंद्र डहेरिया, सह-समन्वयक डॉ. मनोज पटेल और अनेक शिक्षकगण भी इस आयोजन में उपस्थित रहे।

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

सर्च स्टोरी संवाददाता भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने भारत=ज्ञान परंपरा की भूमि विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि—भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे।

उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि— हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है। उसके बाद गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है।उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचेंहम यहाँ क्यों आए हैं? और हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है? कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने किया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ:

प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरुआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए । कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डहेरिया, सह खेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

ख्वाजा एक्सप्रेस संवाददाता

भोपाल । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया । वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने भारत ज्ञान परंपरा की भूमि÷ विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि–भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। उन्होंने

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि– हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं–जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन–का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि– ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि ÷यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें हम यहाँ क्यों आए हैं? और हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है? कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी द्वारा किया गया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरुआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए । कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डहेरिया, सह खेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

भोपाल ■ अक्षत दर्शन

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया । वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमि विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि- भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी

है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि- हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं- जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन- का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि- ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे।

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

आम सभा, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र %विकल्प% एवं %पहल% का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने %भारत- ज्ञान परंपरा की भूमि% विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि-%भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।% उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि- हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं-जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन-का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि-%ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी : गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे।

सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक

आम सभा, भोपाल। प्रदेश में व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से कुपोषण को कम करने के लिए पोषण अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष पोषण अभियान के तहत पोषण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से पोषण पखवाड़ा मनाया जाता है। इस पर सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक मनाया जाएगा। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा %जीवन के प्रथम 1000 दिवस% पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाने व्यापक प्रचार-प्रसार, समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन मॉड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंध तथा बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपने पर बाल जैसे थीम पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। पोषण पखवाड़ा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र सेक्टर, परियोजना एवं जिला स्तर की गतिविधियों में स्थानीय पोषण संसाधनों की को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, सामुदायिक जागरूकता और पोषण संवेदनशील कार्यक्रम जैसे आयोजन किए जाएंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों में दैनिक गतिविधियों की तिथिवार थीम आधारित कैलेंडर तैयार किया गया है। सभी जिलों में पखवाड़ा के दौरान साइकिल रैली, पोषण रैली, प्रभात फेरी, गर्भवती महिलाओं और धात्री माता एवं किशोरी बालिकाओं के साथ पोषण ट्रैकर में हितग्राही मॉडल पर समूह चर्चा, कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच, एनीमिया जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

पत्रकारिता विवि में जयंती प्रसंग पर व्याख्यान का आयोजन

जो जीवन की दिशा तय करे भारत में वही है ज्ञान

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

सुप्रसिद्ध कवि, पत्रकार एवं स्वतंत्रता सेनानी पं. माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती के अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि में स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोककला मर्मज्ञ पद्मश्री कपिल तिवारी ने 'भारत: ज्ञान परंपरा की भूमि' विषय पर व्याख्यान दिया। सत्र की अध्यक्षता विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। विषय पर डॉ. कपिल तिवारी ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझा लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं—जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह

सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण हैं। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है। कार्यक्रम का संचालन विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। यहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का विमोचन भी किया गया।

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है विवि: कुलगुरु

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है।

उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ.कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों से कहा कि यह सोचें हम यहाँ क्यों आए हैं? और हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है।

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

भोपाल खुलासा सुरेश आचार्य

भोपाल : माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया । वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र "विकल्प" एवं "पहल" का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने "भारत: ज्ञान परंपरा की भूमि" विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि—"भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।" उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि— "हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो।" उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं—जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन—का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि— "ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।"

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी।

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि "यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है।"उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें"हम यहाँ क्यों आए हैं?" और "हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है?"

कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने किया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ:

प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरुआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए । कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डहेरिया, सह खेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी

अमन संवाद/भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने भारत ज्ञान परंपरा की भूमि विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि–भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को सूचना भर समझ लिया गया है,जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि– हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो। उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं–जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन–का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों

की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि– ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है। आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू – कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते हैं और भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें हम यहाँ क्यों आए हैं? और हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है? कार्यक्रम का संचालन विवेक सावरीकर एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया। संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने किया।

खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

प्रतिभा 2025 में खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत क्रिकेट की भी शुरुआत हुई। जिसमें वरिष्ठ खेल पत्रकार अक्षत शर्मा विशेष रूप से शामिल हुए। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खेल समन्वयक डॉ सतेंद्र डोंरिया, सह खेल समन्वयक डॉ मनोज पटेल एवं शिक्षक उपस्थित थे।

एमसीयू में प्रतिभा 2025 का का शुभारंभ, व्याख्यान हुआ

भोपाल| माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) में शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विवि को 'आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला' बताया। इस अवसर पर प्रतिभा 2025 का शुभारंभ हुआ, साथ ही विविकी वेबसाइट का रीलॉन्च और समाचार पत्र 'विकल्प' व 'पहल' का विमोचन किया गया।

स्वदेश

भोपाल - संस्करण

5 Apr 2025

माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी ने कहा-

मनुष्य की प्रकृति व प्रतिभा के अनुसार दिशा देना शिक्षा का उद्देश्य

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी ने कहा है कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। वह माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर व्याख्यान समारोह में बोल रहे थे। एमसीयू द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी मौजूद थे।

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में भारतः ज्ञान परंपरा की भूमि विषय पर बोलते हुए यहां डॉ तिवारी ने कहा कि जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान है। भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है। मौजूदा शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो।

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का यहां बताया कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा कि भविष्य में वे स्वयं कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे।

यह भी हुआ

विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 के इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र विकल्प एवं पहल का विमोचन हुआ। साथ ही क्रिकेट से खेल कूद गतिविधियों की शुरुआत हुई।

है, ईश्वर उसे कभी अकेला नहीं देवी भागवत का पाठ संपन्न हुआ। निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. प्रेरणा मिलती है। जीत लिया। नन्हे पहियों पर बिजली 9.00 बजे से 4.00 तक की जायगी।

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञान : डॉ. तिवारी

एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का भव्य शुभारंभ

सरिता प्रवाह नेटवर्क

भोपाल । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभांरभ भी किया गया । वहीं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रीलांच किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से निकलने वाले दो समाचार पत्र ''विकल्प'' एवं ''पहल'' का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि एवं वक्ता पद्मश्री से अलंकृत भारतीय ज्ञान परंपरा और लोक संस्कृति के मर्मज्ञ डॉ. कपिल तिवारी ने ''भारतः ज्ञान परंपरा की भूमि'' विषय पर अपने विचारों से छात्रों और शिक्षकों के लिए आत्मचिंतन और बौद्धिक चेतना के नए द्वार खोले। डॉ. कपिल तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि–''भारत की ज्ञान परंपरा सदियों की तपस्या से जन्मी है। इस देश में ज्ञान अर्जन का अर्थ केवल जानकारी नहीं, आत्मबोध है।'' उन्होंने कहा कि आज ज्ञान को

सूचना भर समझ लिया गया है, जबकि वास्तविक ज्ञान वह है जो आत्मा को झकझोर दे और जीवन की दिशा तय कर दे। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि– ''हमारे देश में 90 प्रतिशत लोग अपनी संभावनाओं को पहचान ही नहीं पाते। शिक्षा संस्थानों में यह प्रश्न ही नहीं पूछा जाता कि तुम कौन हो और क्या करने के लिए इस धरती पर आए हो।'' उन्होंने कहा कि मनुष्य को उसकी प्रकृति और प्रतिभा के अनुसार दिशा देना ही शिक्षा का असल उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. तिवारी ने भारत की वैचारिक परंपराओं–जैसे अद्वैत, बौद्ध दर्शन, लोक परंपराएं और जनजातीय जीवन–का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब भारत की वैचारिक विविधता और गहराई का प्रमाण है। उन्होंने बुद्ध, नागार्जुन आदि चिंतकों की परंपरा की व्याख्या की और कहा कि– ''ज्ञान किसी एक जाति या वर्ग की बपौती नहीं होता, यह तो सूर्य के प्रकाश की तरह सबके लिए होता है।''

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. उर्वशी परमार एवं डॉ. अरुण कुमार खोबरे ने किया।

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयू : कुलगुरु

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि ''यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियाँ देने का केंद्र नही है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है।''उन्होंने कहा कि वे हर महीने में एक बार डॉ. कपिल तिवारी से भेंट करते है और भविष्य मे वे स्वयं कक्षाओ में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कुलगुरु ने छात्रो को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचे''हम यहाँ क्यों आए हैं?'' और ''हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है?''

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Bhopal main - 05 Apr 2025 - Page 2

जो आत्मा को झकझोर दे, वह वास्तविक ज्ञानः डॉ. तिवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि में शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी की जयंती पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस अवसर पर विवि की सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के वार्षिक आयोजन प्रतिभा 2025 का शुभारंभ भी किया गया। वहीं विवि की वेबसाइट को रीलांच किया।

- एमसीयू में व्याख्यान एवं प्रतिभा 2025 का शुभारंभ, वेबसाइट को भी किया रीलांच

आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है एमसीयूः तिवारी

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत भाषण में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां देने का केंद्र नहीं है, यह आत्मबोध और सामाजिक चेतना की प्रयोगशाला है। कुलगुरु ने छात्रों को आत्ममंथन करते हुए कहा कि वे यह सोचें हम यहां क्यों आए हैं?